BANC-104

विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस)

विज्ञान स्नातक (आनर्स)

मानवविज्ञान

(बीएससीएएनएच)

सत्रीय–कार्य

जुलाई 2025 - जनवरी 2026 सत्र

पाठ्यक्रम कोड : बीएएनसी 104

बीएएनसी 104 : मानव उत्पत्ति और उद्विकास

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय मैदान गढ़ी,

नई दिल्ली–110068

प्रिय छात्र,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम संदर्शिका में सूचित किया है, इग्नू में मूल्यांकन के दो भाग होते हैंः i) सत्रीय कार्यों के माध्यम से सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक।

आपको 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 3 **अनुशिक्षक चिंहित सत्रीय** कार्य (**टी.एम.ए.)** करने होंगे, और 4 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 2 सत्रीय कार्य करने होगे। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में **बीएएनसी–104: मानव उत्पत्ति और उद्विकास** नामक कोर पाठ्यक्रम के सत्रीय कार्य (असाइनमेंट) सम्मिलित है जो 6 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है। इस पुस्तिका में 3 सत्रीय कार्य हैं जिनके कुल 100 अंक हैं, तथा मूल्यांकन में 30 प्रतिशत अधिभार है।

सत्रीय कार्य- I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ/जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य श्रेणी के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य-III में प्रायोगिक नियमावली/ मैनुअल पर आधारित प्रश्न हैं। इन प्रश्नों से आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि किसी परियोजना (प्रोजेक्ट) सिनोप्सिस का निर्माण कैसे करें और फील्ड परिस्थितियों में अपने ज्ञान, उपकरणों (टूल) व तकनीकों को लागू करने के अपने ज्ञान का परीक्षण करें।

सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया कार्यक्रम संदर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवाय है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर किसी विशेष खंड के लिए निर्धारित शब्द–सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा और आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

जैसा कि कार्यक्रम संदर्शिका में उल्लेख किया गया है, आपको सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के योग्य होने के लिए निर्धारित समय के भीतर सभी हस्तलिखित सत्रीय कार्य जमा करने होंगे।

पूर्ण किए गए असाइमेंट को जमा करनाः

प्रवेश बैच	**जमा करने की अंतिम तिथि**	**जमा करने का स्थान**
जुलाई 2025 में नामांकित छात्रों के लिए	30 अप्रैल 2026	शिक्षार्थी सहायता केंद्र के समन्वयक
जनवरी 2026 में नामांकित छात्रों के लिए	30 सितंबर 2026	

अपना सत्रीय कार्य जमा करने के लिए अपने शिक्षार्थी सहायता केंद्र पर जाएँ और जमा किए गए सत्रीय कार्यों की रसीद प्राप्त करें और उसे अपने पास रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की एक जिरॉक्स प्रति (फोटोकॉपी) अपने पास रखें।

मूल्यांकन के बाद शिक्षार्थी सहायता केंद्र आपको सत्रीय कार्य वापस कर देगा। कृपया इस पर जोर दें। मूल्यांकन के पश्चात, शिक्षार्थी सहायता केंद्र को सत्रीय कार्य के अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (एसईडी), इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, को भेजने होते हैं।

हम अपेक्षा करते हैं कि आप प्रत्येक प्रश्न का उत्तर सत्रीय कार्य में उल्लिखित प्रत्येक श्रेणी के दिशा–निर्देशों के अनुसार देंगे। निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना आपके लिए उपयोगी होगाः

1) योजना बनानाः सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़ें। उन इकाइयों को देखें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के संबंध में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में पुनर्व्यवस्थित करें।

2) संगठनः अपने उत्तर की एक कच्ची रूपरेखा तैयार करने से पहले थोड़ा चयनात्मक और विश्लेषणात्मक बनें। अपने परिचय और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें।

सुनिश्चित करें कि आपका उत्तरः

ए) तार्किक और सुसंगत है;

बी) वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध है, और

ग) आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही लिखा गया है।

3) प्रस्तुतिकरणः एक बार जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रष्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** उन बिंदुओं को रेखांकित कर सकते हैं जिन पर आप जोर देना चाहते हैं। सुनिश्चित करें कि उत्तर निर्धारित शब्द सीमा के भीतर है।

शुभकामनाओं के साथ !

मानव विज्ञान संकाय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ ,नई दिल्ली

BANC 104: मानव उत्पत्ति और उद्विकास

(अनुशिक्षक चिंहित सत्रीय–कार्य)

कोर्स कोड: बीएएनसी 104

असाइनमेंट कोड: BANC 104/ASST/TMA/ जुलाई 2025–जनवरी 2026

कुल अंक: 100

सत्रीय कार्य में तीन अनुभाग हैं। आपको सभी अनुभागों में सभी प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

सत्रीय कार्य – I

निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए । 20X 2= 40

क. आधुनिक मानव को प्रारंभिक मानव (होमिनिन्स) से अलग करने वाली प्रमुख शारीरिक विशेषताओं का वर्णन करें।

ख. मानव विकास को समझने में पत्थर के औजार के उद्योगों के महत्व पर चर्चा करें।

ग. द्विपादवाद की अवधारणा और इसके विकासवादी निहितार्थों की व्याख्या करें।

सत्रीय कार्य – II

(अ) निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए । 10X2=20

i- होमो इरेक्टस का पोस्टक्रेनियल कंकाल

ii- ऑस्ट्रेलोपिथेकस की उपकरण संस्कृति

(ब) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए। 5X2=10

i- होमो हैबिलिस का वितरण और आवास

ii- दंत चिकित्सा में विकासवादी रुझान

iii- निएंडरथल के सांस्कृतिक लक्षण

सत्रीय कार्य – III

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। **10x3=30**

क. मानव हाथ की लंबी हड्डियों को परिभाषित करें और उन पर चर्चा करें।

ख. मानवमिति क्या है? किसी भी दो कपाल सूचकांक का वर्णन करें।

ग. खोपड़ी की किसी एक महत्वपूर्ण विशेषता का वर्णन करें जिससे प्रारंभिक मानवों (होमिनिन्स) की पहचान की जा सके और जीवाश्म साक्ष्य का उपयोग करके इसके विकासवादी महत्व की व्याख्या करें।